सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद – ३८०००४.

सत्संग प्रवीण-१

रविवार, १३ जुलाई, २००८ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण

BAPS

इस कोष्टक में **प्रवीण-१ (हिन्दी)** का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र ....

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर ....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . .

ચેકર - નામ

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (कुल गुण : ६)

१. उपासना का महत्व ।　　२. भगवान में मनुष्यभाव देखने से हानियाँ ।

३. सबसे परे अक्षरधाम ।　　४. गुणातीत संत की महिमा – प्रसिद्ध संत कवियों के पदों में और विभिन्न शास्त्रों में ।

(　　) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ३	

(　　) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम ।
तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''

उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर – दोनों जगह सदा साकार ।

१. 'मूर्तं तत्रास्ति कृष्णस्य सेवायां दिव्यविग्रहम् ।' गुण : १

....

२. 'एकमेवाद्वितीयं ब्रह्म' गुण : १

....

३. 'कल्पतरु सर्वना संकल्प सत्य करे, पासे जई प्रीतशुं सेवे ज्यारे;
तेम जे प्रकट पुरुषोत्तम प्रीछशे, थाशे हरिजन तत्काल त्यारे .....' गुण : १

....

४. 'पुरुषोत्तम भगवान...... आत्मा एवं अक्षर, सबके प्रेरक हैं । वे स्वतन्त्र तथा नियंता होने के साथ –साथ समस्त ऐश्वर्यों से सम्पन्न हैं और परेतर अक्षर से भी परे हैं ।' गुण : १

....

५. 'भक्त तो भगवान को निर्दोष समझने से ही निर्दोष हो चुका है ।' गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगवान को सर्व कर्ता–हर्ता जानने की आवश्यकता । गुण : २

(१) ☐ अं. २१ (२) ☐ वर. २ (३) ☐ का. १० (४) ☐ प्र. ६२

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

२. उत्पत्ति का सही क्रम कौन सा है ? | गुण : २ | |

(१) [ ] ब्रह्मा-मरीच्यादिक प्रजापति-कश्यप प्रजापति । (२) [ ] परब्रह्म-अक्षरब्रह्म-अक्षरपुरुष + महामाया ।

(३) [ ] प्रधानपुरुष-विराटपुरुष-मन-इन्द्रियों के देवता । (४) [ ] इन्द्रादिक देवता-स्थावर-जंगम सृष्टि-दैत्य ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज के कंधों पर भारी बोझ लगा और वो पसीना-पसीना हो गये ।

२. वाघाखाचर ने पूछा, 'स्वामी ! क्या आप स्वयं अक्षर हैं ?'

३. मालजी सोनी को गुणातीतानंद स्वामी अक्षरब्रह्म हैं, ऐसा परिचय हुआ ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिद्धांत : ....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. भगवान को निराकार समझने से हानि ।
२. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के ऊपर साकार हैं ।
३. प्रकट भक्ति – शान्ति का पथ ।
४. भगवान का केवल एक ही प्रकट स्वरूप होता है ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

( ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. अक्षर पुरुषोत्तम मन्दिर में शास्त्रीजी महाराज ने अवतारों की मूर्तियाँ स्थापित की हैं ।

२. शीतलदास व्यापकानंद बने ।

३. शास्त्रीजी महाराज कहा करते थे, 'हम तो अक्षर पुरुषोत्तम के बैल हैं ।'

४. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता है ।

(   ) ....

गुण : ४	

(   )

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना ?)

१. श्रीजीमहाराज सदा ही ....

....

....

....

.... निर्गुण कर देते हैं । गुण : १ [ ]

२. पुरुषोत्तम की ....

....

....

....

....

.... भिन्न हैं । गुण : १ [ ]

३. मुक्ति अवस्था ....

....

....

....

....

....

....

.... रहती है । | गुण : १ | |

४. पुरुषोत्तम की प्रेरणा ....

....

....

....

....

....

.... भेद है । | गुण : १ | |

(उपासना में क्या न समझना ?)

१. अकेले अक्षरब्रह्म ....

....

....

.... सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । | गुण : १ | |

२. शिक्षापत्री ....

....

.... सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । | गुण : १ | |

३. सद्‌गुरु गुणातीतानंद ....

....

.... कह सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । | गुण : १ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टूंकनोंध लिखिए । – गुणातीत संत के लक्षण । **(कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''यदि आपको यहाँ कोई पहचाने ही नहीं, ऐसे बना दें तो ?'' **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. ''अब थोड़ा घी भोजन में अंगीकार करना ।'' **(स.वा.भा. ३)**

(   ) कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... | गुण : ३ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

३. ''तू तो अभी छोटा है, प्रभु ने तुझे कितना रूप दिया है ! और तुझे यह विचार कहाँ से आ गया !'' **(स.वा.भा.३)**

अथवा

४. ''आपका धर्म है कि सत्संग की पुष्टि करना ।'' **(स.वा.भा. ३)**

(   ) कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

५. ''जाओ, कुछ नहीं होगा । सब कुछ मिट जाएगा ।'' **(युगविभूति)** **अथवा**

६. ''आप मेरे गाँव में पधारिये न !'' **(युगविभूति)**

(   ) कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. महाराज ने मुक्तानन्द स्वामी को धर्मपुर जाने की आज्ञा दी । **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. भगा दोशी को सत्संग करने की सदा के लिए अनुकूलता हो गई । **(स.वा.भा. ३)**

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४

३. युवक स्वामीश्री के चरणों में गिर पड़ा और सिसक-सिसक कर रोने लगा । **(युगविभूति)** **अथवा**

४. मंगल और उसके पुत्रों ने पवित्र जीवन अपना लिया । **(युगविभूति)**

(   )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. पर्वतभाई की हरिभक्तों के साथ आत्मबुद्धि । **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. मुक्तानन्द स्वामी को श्रीजीमहाराज के स्वरूप में हुई प्रतीति । **(स.वा.भा. ३)**

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

३. प्रमुखस्वामी महाराज का निरन्तर विचरण । **(युगविभूति)** **अथवा**

४. प्रार्थना में प्रमुखस्वामी महाराज की श्रद्धा । **(युगविभूति)**

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शिवलाल सेठ गुणातीतानन्द स्वामी का सत्संग करने सांखडावदर के बीड में जाते, तब क्या खा लेते थे ? **(स.वा.भा. ३)** गुण : १ [ ]

....

....

२. रघुवीरजी महाराज ने किसकी प्रेरणा से ब्रह्मचारी अचिन्तयानन्दजी को ग्रंथ रचने की आज्ञा की ? वो ग्रंथ कौन सा है ? **(स.वा.भा. ३)** गुण : १ [ ]

....

....

३. महाराज के धर्मपुर से बिदा होने के बाद कितने दिन के पश्चात् कुशलकुंवरबा ने शरीर छोड़ दिया ? **(स.वा.भा. ३)** गुण : १ [ ]

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२		प्र-१३	

४. प्रमुखस्वामी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ था ? (तिथी) **(युगविभूति)** | गुण : १ | |

....

....

५. प्रमुखस्वामी महाराज भविष्य के बारे में क्या बताते हैं ? **(युगविभूति)** | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।(कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं ।सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. निष्कुलानन्द स्वामी रचित ग्रंथ और पद । **(स.वा.भा. ३)** | गुण : २ | |

(१) [ ] सतीगीता ।   (२) [ ] चोसठपदी ।

(३) [ ] सहजानंद हरि, प्रकट थया सहजानन्द हरि ।   (४) [ ] अनुभवी आनंदमां ब्रह्मरसना भोगी रे ।

२. गोपालानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी की पहचान करवाई हो ऐसे संत हरिभक्त ।**(स.वा.भा. ३)** | गुण : २ | |

(१) [ ] जागा भक्त ।   (२) [ ] आचार्य अयोध्याप्रसादजी ।

(३) [ ] शिवलाल शेठ ।   (४) [ ] वाघा खाचर ।

३. प्रमुखस्वामी महाराज की निर्लोभता दर्शाते हुए प्रसंग ।**(युगविभूति)** | गुण : २ | |

(१) [ ] स्वामीश्री ने शौचालयों की सफाई की ।

(२) [ ] मि. कार्लोस वेगा के साथ बातचीत ।

(३) [ ] दारेसलाम के हवाईअड्डे पर अधिकारियों को आश्चर्य का अनुभव हुआ ।

(४) [ ] स्वामीश्री ने चोर को मारने से मना किया ।

४. प्रमुखस्वामी महाराज के उपदेश वचन । **(युगविभूति)** | गुण : २ | |

(१) [ ] दूसरों की भलाई में अपना भी भला है ।

(२) [ ] जीवन में धीरज नहीं होगी तो संपत्ति को राख होते देर नहीं लगेगी ।

(३) [ ] भगवान के यहाँ ऊँच-नीच आदि का कोई भेद नहीं है ।

(४) [ ] इस शरीर को नर्क नहीं, एक स्वर्ग बनाना है ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्तियों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. B.A.P.S. की प्रगति का रहस्य - सिद्धांत ।   २. गुरु की आवश्यकता और महत्ता ।

३. जीवन में एकांतिकधर्म का पोषक - जीवनचरित्रों का वांचन ।

(   ) ....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें